6. १००८ श्री पद्मप्रभ भगवान

यक्ष
मातंग

चिन्ह
कमल

वर्ण
लालवर्ण

यक्षिणीं
अप्रति चक्रेश्वरी

अर्घ

जल चन्दन अक्षत पुष्प, नेवज आदि मिला।
मैं अष्ट द्रव्य से पूज, पाऊं सिद्ध शिला॥
बाड़ा के पद्म जिनेश, मंगल रूप सही।
काटो सब क्लेश महेश, मेरी अर्ज यही॥

ॐ ह्रीं श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

माघ कृष्णा-६

गर्भकल्याणक

कार्तिक शुक्ला-१३

जन्मकल्याणक

कार्तिक शुक्ला-१३

तपकल्याणक

चैत्र शुक्ला-१५

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री धरन भूप
माता: सुसीमा देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

फाल्गुन कृष्णा-४

मोक्षकल्याणक